NEWS CLIPPING: 24.01.2021

HINDUSTAN

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में पहली से कक्षाएं

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

कोविड के कारण बंद किए गए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में करीब साढ़े 10 महीने बाद एक फरवरी से फिर से कक्षाएं लगेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन इस पर मंथन में जुटा है कि सभी छात्रों को बुलाया जाए या फिर कुछ प्रायोगिक कक्षाएं लगाई जाए।

विश्वविद्यालय में अभी तक सभी गतिविधियां ऑनलाइन की जा रही थीं, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन मानता है कि इंजीनियरिंग की प्रायोगिक कक्षाओं को ऑनलाइन करना मुश्किल होता है और छात्रों को समझ में नहीं आता है। ऐसे में कोविड नियमों का पालन करते

फैसला

- अभी तक ऑनलाइन माध्यम से चल रही हैं कक्षाएं
- मंथन चल रहा कि सभी छात्रों को बुलाए या सीमित संख्या में

हुए कुछ कक्षाएं शुरू की जा सकती हैं। विश्वविद्यालय का कहना है कि मल्टीमीडिया, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की प्रायोगिक कक्षाओं की शुरुआत की जानी चाहिए।

इंजीनियरिंग में प्रायोगिक कक्षाएं बेहद जरूरी : विश्वविद्यालय प्रवक्ता के मुताबिक, विश्वविद्यालय में छात्रों को स्नातक स्तर पर बेहतर शिक्षा देने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए विश्वविद्यालय में बड़ी-बड़ी कार्यशालाएं हैं, जहां विभिन्न प्रायोगिक अनुभव के लिए छात्रों की कक्षाएं चलती हैं। छात्रों को प्रयोगिक शिक्षा के तौर पढ़ाई पर अधिक जोर दिया जाता है।

छात्रों की आवाजाही शुरू हो जाएगी : एनिमेशन व मल्टीमीडिया जैसे कोर्स में भी छात्रों को प्ररयोगिक माध्यम से पढ़ाया जाता है। इन बड़ी कार्यशालाओं में औद्योगिक मांग के अनुरूप पाठ्यक्रमों में बदलाव किए जाते हैं, जिससे बीटेक और एमटेक के छात्रों को अधिक सुविधा होती है। प्रवक्ता जे. यादव ने कहा कि एक फरवरी से विश्वविद्यालय में छात्रों की आवाजाही शुरू हो जाएगी।

NEWS CLIPPING: 24.01.2021

PUNJAB KESARI

'वामपंथी विचारधारा राष्ट्रहित की दृष्टि से हानिकारक'

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 125वीं जयंती पर परिचर्चा का आयोजन

फरीदाबाद, 23 जनवरी (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के लिबरल आर्ट्स एवं मीडिया स्टडीज विभाग द्वारा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में मीडिया की नैतिकता और राष्ट्रवाद विषय को लेकर ई-पैनल परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिचर्चा कार्यक्रम में हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला और जाने-माने पत्रकार, चिन्तक तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक तरुण विजय मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। लिबरल आर्ट्स एवं मीडिया स्टडीज विभाग के अध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा ने अतिथि वक्ताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ सुभाष गोयल द्वारा किया गया। नेताजी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि सुभाषचन्द्र बोस को देश में राष्ट्रवादी विचारधारा के महान स्वतंत्रता सेनानी के रूप में देखा जाता है। उनकी राष्ट्र के लिए सोच और देशभक्ति का ही परिणाम है कि देश का स्वतंत्रता संग्राम सफल हुआ। राष्ट्रवाद की विचारधारा को लेकर कुलपति ने युवा पीढ़ी के पत्रकारों के शिक्षण-प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तरुण विजय ने भारतीय पत्रकारिता में वामपंथी विचारधारा को राष्ट्रहित की दृष्टि से हानिकारक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी पत्रकारिता नहीं होनी चाहिए जिससे दुश्मन देशों का फायदा हो या हमारे सैनिकों का मनोबल गिरे। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्य आज जेहाद, माओवाद, नक्सलवाद और धर्मांतरण से प्रभावित है, जिसका वामपंथी विचारधारा को पूरा समर्थन हासिल है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sun,24 January 2021
Edition: faridabad kesari, Page no. 4